वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 237 बुधवार 24 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@... पेज 2

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पुस्तक सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि का उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन एवं नितिन गडकरी के कर-कमलों से लोकार्पण

भारत माता के चरणों में नमन के साथ अटल जी पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भावुक क्षणः उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन

सनातन, हिंदू और भारतीय संस्कृति एक ही चेतना के विभिन्न नामः केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित पुस्तक 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि' का भव्य लोकार्पण मंगलवार को उपराष्ट्रपति एनक्लेव, नई दिल्ली में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय कृषि राज्य मन्त्री भागीरथ चौधरी , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष मिलिंद मराठे उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि आज का भारत विश्व में सबसे अधिक शक्तिशाली और सबसे अधिक संभावनाशील राष्ट्र बनकर उभर रहा है। भारत माता के चरणों में नमन करते हुए सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि जैसी पुस्तक का लोकार्पण करना उनके लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विचारों पर आधारित यह कृति सही समय पर आई है, क्योंकि देश अटल जी की जन्म शताब्दी के अवसर की ओर अग्रसर है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे स्वयं अटल बिहारी वाजपेयी के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे और उनके नेतृत्व में कार्य करने का सौभाग्य उन्हें मिला। महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम सहित अनेक अवसरों पर अटल के साथ संवाद और मंच साझा करने की स्मृतियां उनके लिए अमूल्य हैं। उन्होंने अटल जी को भारत का जॉन एफ. कैनेडी बताते हुए कहा कि उनके विचार, दृष्टि और नेतृत्व ने देश को नई दिशा दी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकास की प्रत्येक बड़ी शुरुआत एक बिंदु से होती है। मुंबई-पुणे फोरलेन जैसी परियोजनाओं ने यह सिद्ध किया कि बेहतर कनेक्टिविटी कैसे अर्थव्यवस्था को गति देती है, जिसे आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में देश प्रत्यक्ष अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि अटल के शासनकाल में आधारभूत संरचना, मेट्रो रेल, राष्ट्रीय राजमार्ग और परमाणु शक्ति के क्षेत्र में जो नींव रखी गई, वही आज विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है। उपराष्ट्रपति ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि अटल जी की सबसे बड़ी विशेषता उनके सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता थी। वे कोमल, उदार, सौम्य और अत्यंत काव्यात्मक व्यक्तित्व के धनी थे, किंतु विचारों में कभी समझौता नहीं करते थे। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्र प्रथम, पार्टी बाद में और स्वयं सबसे अंत में के आदर्श को समर्पित था। वास्तव में, उनके जीवन में 'स्व' के लिए कोई स्थान नहीं था। उन्होंने कहा कि सांसद के रूप में सात वर्षों तक अटल जी के साथ कार्य करने का सौभाग्य उन्हें मिला। तमिलनाडु से निर्वाचित पहले सांसद के रूप में उन्हें अटल जी का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बिना पूर्व नियुक्ति उनके कक्ष में प्रवेश की अनुमति मिलना, अटल जी की उदारता और मानवीय संवेदना का उदाहरण था, जिसे वे कभी नहीं भूल सकते। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जनसंघ के कार्यकर्ता के रूप में अटल जी का सार्वजनिक जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण रहा। कोयंबटूर के शास्त्री मैदान की ऐतिहासिक जनसभा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद हजारों की भीड़ का एकत्र होना अटल जी के करिश्माई नेतृत्व और ओजस्वी वाणी का प्रमाण था।

अटल जी का संपूर्ण जीवन संघ के संस्कारों, राष्ट्रप्रथम की भावना, संसदीय मर्यादाओं और सुशासन की अद्वितीय मिसाल रहा हैः देवनानी

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह पुस्तक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचार और कृतित्व को सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों के आलोक में समझने का एक विनम्र प्रयास है। उन्होंने कहा कि अटल जी का संपूर्ण जीवन संघ के संस्कारों, राष्ट्रप्रथम की भावना, संसदीय मर्यादाओं और सुशासन की अद्वितीय मिसाल रहा है। देवनानी ने कहा कि एक प्रचारक से प्रधानमंत्री तक की अटल जी की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति के मूल्य व्यक्ति को राष्ट्रसेवा के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा सकते हैं। उनकी कविताएं, संसद में ओजस्वी भाषण, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया ऐतिहासिक भाषण तथा परमाणु परीक्षण जैसे निर्णय भारत की आत्मविश्वासी चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 12 अध्यायों और 146 पृष्ठों में समाहित इस पुस्तक में अटल जी के व्यक्तित्व के विविध आयामों संघ से वैचारिक निकटता, संसदीय परंपराओं में आस्था, विदेश नीति, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। देवनानी ने अपने शैक्षिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने पाठ्यक्रमों में भारतीय दृष्टिकोण को सशक्त करने का प्रयास किया। इतिहास लेखन में दृष्टि परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इसी भावना से पाठ्यपुस्तकों में अकबर महान के स्थान पर महाराणा प्रताप महान को स्थापित किया गया, क्योंकि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रधर्म के प्रतीक हैं। इस वैचारिक साहस को उन्हें संघ के संस्कारों से प्रेरणा मिली। कार्यक्रम के अंत में देवनानी ने सभी अतिथियों, उपस्थित गणमान्यजनों तथा प्रभात प्रकाशन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पुस्तक न केवल अटल जी के प्रति श्रद्धांजलि है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए राष्ट्रवाद, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरक धरोहर भी है।

विश्व ध्यान दिवस पर मीरा रोड बना वैश्विक चेतना का केंद्र

योगीराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज की बांसुरी धुन पर साधकों ने किया सामूहिक ध्यान"Save Self" अंतरराष्ट्रीय मुहिम का ऐतिहासिक शुभारंभ

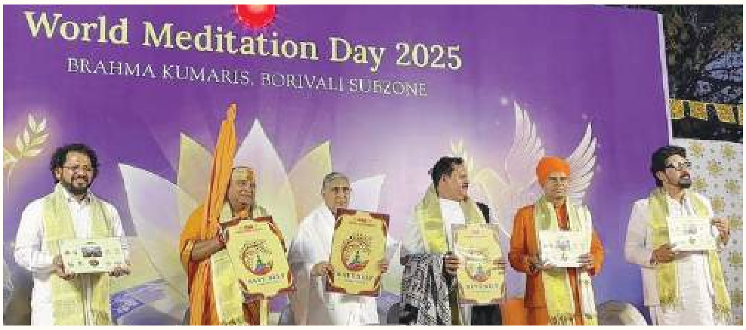

मीरा रोड, मुंबई। विश्व ध्यान दिवससंयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित विश्व ध्यान दिवस (World Meditation Day) के पावन अवसर पर रविवार, 21 दिसंबर को मीरा रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, बोरीवली सब-जोन के तत्वावधान में एक विशाल सामूहिक ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन अत्यंत शांति, सकारात्मकता और आध्यात्मिक ऊर्जा के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।यह कार्यक्रम केवल एक ध्यान सत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव चेतना के जागरण और आत्म-संरक्षण के वैश्विक संकल्प का सशक्त साक्षी बना। इसी अवसर पर ब्रह्मकुमार ब्रह्मर्षि योगीराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज द्वारा "Save Self (सेव सेल्फ)" अंतरराष्ट्रीय आत्म-जागरण मुहिम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।बांसुरी की दिव्य धुन से साधकों ने पाया गहन ध्यान का अनुभवकार्यक्रम की विशेष पहचान बनी योगीराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज की मधुर बांसुरी। उनकी लयात्मक और चेतना-स्पर्शी तानों ने साधकों को सहज ही गहन ध्यान की अवस्था तक पहुँचा दिया। बांसुरी की दिव्य ध्वनि ने मन, श्वास और चेतना—तीनों को एक ही लय में बाँध दिया, जिससे उपस्थित साधकों ने आंतरिक शांति और आत्म-साक्षात्कार का गहन अनुभव किया।लगभग 2500 साधकों की सहभागिताकार्यक्रम का शुभारंभ बी.के. दिव्या दीदी (डायरेक्टर, उत्तर मुंबई) के प्रेरणादायी संकल्पों के साथ हुआ। उनके मार्गदर्शन में लगभग 2500 से

अधिक भाई-बहनों ने एक साथ गहन राजयोग ध्यान का अभ्यास किया तथा विश्व शांति के लिए सकारात्मक आध्यात्मिक तरंगों का संचार किया।"Save Self" — आत्म-जागरण से विश्व-शांति की ओरइस अवसर पर घोषित "Save Self" मुहिम का मूल संदेश है—"स्वयं को जानो, स्वयं को संभालो—तभी समाज, संस्कृति और पृथ्वी सुरक्षित रहेंगे।"योगीराज श्री भारत भूषण भारतेंदु जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का सबसे बड़ा संकट बाहरी नहीं, बल्कि मानव का अपने ही भीतर से कट जाना है। जब मनुष्य स्वयं से जुड़ता है, तभी वह समाज और विश्व के लिए सार्थक एवं उपयोगी बनता है।प्रमुख संतों एवं आचार्यों के विचारध्यान सत्र के पश्चात जागृत सूर्यमार्गी श्री कृष्ण देव गिरी जी ने ब्रह्मकुमारी बहनों की निस्वार्थ सेवा और पवित्र प्रेम की सराहना करते हुए कहा,"जितने अधिक लोगों को ब्रह्मकुमारी केंद्रों से जोड़ा जाएगा, उतनी ही बड़ी सेवा होगी। यहाँ आने से लोग व्यसन-मुक्त होते हैं, दुखों से बाहर निकलते हैं और अकेलेपन से मुक्त होकर एक आध्यात्मिक परिवार पाते हैं।"वहीं भागवत आचार्य श्री रसिक महाराज ने भी ब्रह्मकुमारी संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा एवं आध्यात्मिक कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन बी.के. संगीता बहन द्वारा अत्यंत सुंदर एवं अनुशासित ढंग से किया गया।

मां मनोहर मोहता परिवार द्वारा रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

358 यूनिट रक्त एकत्रित, 500 से 600 लोगों ने उठाया लाभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मां मनोहर मोहता परिवार की ओर से रविवार को गणेश मंदिर, खिरणी फाटक पर छठे स्वैच्छिक रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम संयोजक धीरज एवं प्रीति मोहता ने बताया कि शिविर में इंटरनल हॉस्पिटल, महावीर कैंसर जनाना हॉस्पिटल सहित विभिन्न ब्लड बैंकों द्वारा सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर के दौरान बीपी, शुगर एवं बीएमआई की जांच की गई, जिसका 500 से 600 लोगों ने लाभ उठाया। शिविर में युवाओं एवं महिला वर्ग ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर कुल 358 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। समिति सदस्य नरेश जैन मेड़ता ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में जयपुर हेरिटेज नगर निगम के चेयरमैन पवन शर्मा नटराज, जयपुर महेश्वरी समाज से शांतिलाल जागेटिया, अनिल सारडा, अखिल भाला, राहुल जाजू तथा श्याम महोत्सव सेवा समिति से ओमप्रकाश मोदी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए, ताकि जरूरतमंद रोगियों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके और आमजन को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिले। इस अवसर पर रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान मां मनोहर मोहता परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। शिविर में प्रदीप-मनोज लड्ढा, पुरुषोत्तम-राधिका बागड़ी, ब्रजेश मोदानी, अरुण बाहेती, प्रवेश शर्मा, जयप्रकाश साबू, हनुमान सिंह, नरेश-कविता जाखोटिया, विजय खरा, चंद्रप्रकाश पवार, अंजू फलोड़, श्याम जाजू, विजय सारडा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा मोहता परिवार से नीरज-प्रियंका, पंकज-रेशु मोहता, सुनील-कीर्ति काबरा, मोहित, निकिता, सोनाक्षी, देवांशी, यश, उदित, अदित, खुश, वासु, मानव, दिव्यांशु, कृतार्थ, कृताथ सहित अन्य सदस्य एवं मित्रगण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा...

सबसे बड़ी व्यथा है—सीमित शब्द और असीमित भावनाएं

गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

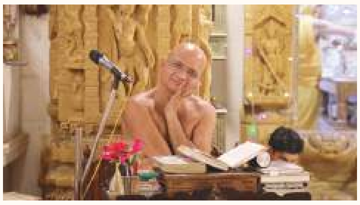

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ वर्तमान में तरुणसागरम तीर्थ पर विराजमान हैं। उनके पावन सान्निध्य में वहां निरंतर विविध धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियाँ संपन्न हो रही हैं। इसी क्रम में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने शब्दों और वाणी की शक्ति पर गहन विचार व्यक्त किए। आचार्य श्री ने कहा कि कभी-कभी शब्दों के रिश्ते भी बड़े अजीब-गरीब होते हैं। ऊँचा बोलने और धीमा सुनने से भी ये चटक जाते हैं। शब्द आपको खुश कर सकते हैं, मोह सकते हैं, आपकी खुशामद कर सकते हैं, उत्तेजित कर सकते हैं, नाराज कर सकते हैं, शांत कर सकते हैं और आपसे अपनी मर्जी का काम भी करवा सकते हैं। शब्द किसी को भावुक बना सकते हैं, पराए को अपना और अपने को पराया कर सकते हैं। वे नया जीवन दे सकते हैं, तो किसी का जीवन कठिन भी बना सकते हैं। शब्द किसी का राज छुपा सकते हैं और किसी का राज उजागर भी कर सकते हैं। शब्दों की सहायता से लगभग कोई भी कार्य संभव है। उन्होंने कहा कि हम शब्दों का उपयोग तो हर समय करते हैं, लेकिन मनुष्य की इस सबसे बड़ी शक्ति का सही और मौलिक उपयोग बहुत कम लोग कर पाते हैं। कभी कोई छोटी-सी बात कह देता है और हम तुरंत भड़क उठते हैं, बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने लगते हैं। शब्दों के माध्यम से हम किसी के प्रिय भी बन सकते हैं और किसी के अप्रिय भी। आचार्य श्री ने बताया कि वाणी की प्रभावोत्पादकता हमारे शब्द-चयन पर निर्भर करती है। शब्द किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व की छवि बनाने और बिगाड़ने की अपार सामर्थ्य रखते हैं। आज वही व्यक्ति सफल माना जाता है जो मृदुभाषी, विनम्र, मिलनसार और वाणी-व्यवहार में श्रेष्ठ हो। इसी संदर्भ में उन्होंने संत कबीर के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा कि ''शब्द संभारे कर बोलिए, शब्द के हाथ न पाँव। एक शब्द औषधि करे, एक करे मन घाव'

—नरेंद्र अजमेरा,
पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में जैन गणित पर विशेष चर्चा-परिचर्चा

इंदौर. शाबाश इंडिया

विश्वप्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जन्मजयंती के अवसर पर 22 दिसंबर को गणित दिवस के उपलक्ष्य में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में जैन गणित विषय पर एक विशेष चर्चा-परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रो. अनुपम जैन के संयोजकत्व में तथा सेंटर ऑफ एंसिएंट इंडियन मैथमेटिक्स के तत्वावधान में संपन्न हुआ। परिचर्चा के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित के क्षेत्र में जैनाचार्यों के प्राचीन एवं विशिष्ट योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि प्राचीन काल से ही जैन आचार्यों ने गणित को दर्शन, कर्म सिद्धांत एवं लोक-वर्णन के साथ गहराई से जोड़ा है। विशेष रूप से आचार्य यतिवृषभ, आचार्य वीरसेन, आचार्य नेमिचंद्र सिद्धांतचक्रवर्ती एवं महावीराचार्य जैसे महान जैनाचार्यों द्वारा रचित ग्रंथों में वर्णित गणितीय अवधारणाएँ आधुनिक गणित की आधारशिला रही हैं। परिचर्चा में यह भी उल्लेख किया गया कि जैनाचार्यों द्वारा प्रतिपादित अलौकिक एवं सूक्ष्म गणितीय सिद्धांत इतने असाधारण हैं कि उनसे प्रेरणा लेकर पाश्चात्य गणितज्ञों ने भी अनेक आधुनिक सिद्धांतों का विकास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश सिंघई, प्रो. रेणु जैन, प्रो. टोकेकर, प्रो. अशोक जेटावत (निदेशक, वर्धमान चैरिटेबल फाउंडेशन, यू.एस.ए.), प्रो. अनुपम जैन (निदेशक, प्राचीन भारतीय गणित अध्ययन केंद्र), प्रो. रजनीश जैन (पूर्व सचिव, यूजीसी), करुणानुयोग मर्मज्ञ श्री प्रकाश छाबड़ा, डॉ. पंकज जैन शास्त्री तथा प्रो. नीरज जैन (एस.जी.एस.टी.आई.एस., इंदौर) सहित अनेक विद्वानों ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय गणितीय परंपरा में जैनाचार्यों के योगदान को पुनः प्रतिष्ठित करना तथा नई पीढ़ी को इस समृद्ध बौद्धिक विरासत से परिचित कराना रहा।

धर्म-कर्म

सब कुछ परमात्मा का है

स्वामी आत्मानन्द

महात्मा गांधी अपने समय के धनिकों को बार-बार ट्रस्टीशिप का उपदेश दिया करते थे। उनका आशय स्पष्ट था मनुष्य स्वयं को सम्पत्ति का स्वामी न माने, बल्कि यह माने कि ईश्वर ही उसका वास्तविक स्वामी है और हम केवल उसके संरक्षक या ट्रस्टी हैं। यह विचार केवल आर्थिक सिद्धांत नहीं, बल्कि एक गहरी नैतिक और आध्यात्मिक दृष्टि है। जब मनुष्य स्वयं को सम्पत्ति का स्वामी मान लेता है, तब वह उसके उपयोग में किसी प्रकार का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करता और मनमाने ढंग से उसका उपभोग करता है। किंतु ट्रस्टीशिप की भावना व्यक्ति को संयम, उत्तरदायित्व और सेवा की ओर ले जाती है। स्वामित्व की भावना व्यक्ति को प्रायः आत्मकेन्द्रित बना देती है। वह यह सोचता है कि जो कुछ उसके पास है, वह केवल उसी के भोग के लिए है। इसके विपरीत ट्रस्टीशिप का भाव यह सिखाता है कि सम्पत्ति दूसरों की सेवा के लिए ईश्वर की अमानत है। ऐसा ट्रस्टी सम्पत्ति को भगवान की थाती मानकर दुःखी, पीड़ित और असहाय जनों की सहायता में लगाता है और इसी में आत्मसंतोष तथा धन्यता का अनुभव करता है। विशेष रूप से मठ-मंदिरों और सार्वजनिक न्यासों की सम्पत्ति यदि निजी स्वार्थ के लिए खर्च की जाए, तो उसे अत्यंत निंदनीय कर्म माना गया है। इस संदर्भ में वाल्मीकि रामायण की एक अत्यंत मार्मिक कथा मिलती है। एक कुत्ता भगवान राम के दरबार में फरियाद लेकर आया कि एक ब्राह्मण ने उसके सिर पर अकारण प्रहार किया है। ब्राह्मण ने अपराध स्वीकार करते हुए दंड की प्रार्थना की। राजा राम ने सभासदों से परामर्श किया। इसी बीच कुत्ते ने कहा कि उस ब्राह्मण को कलिंजर मठ का मठाधीश बना दिया जाए। यह सुनकर सभी चकित रह गए, क्योंकि यह तो दंड के स्थान पर पुरस्कार जैसा प्रतीत होता था। जब भगवान राम ने इसका कारण पूछा, तो कुत्ते ने बताया कि वह अपने पूर्वजन्म में स्वयं उसी मठ का मठाधीश था। मठ की सम्पत्ति का अनुचित उपभोग करने के कारण ही उसे कुत्ते की योनि में जन्म लेना पड़ा। उसने कहा कि देव, बालक, स्त्री और भिक्षुकों के लिए अर्पित धन का दुरुपयोग करने वाला व्यक्ति पतन को प्राप्त होता है। इस कथा के माध्यम से स्पष्ट संदेश मिलता है कि सार्वजनिक सम्पत्ति का निजी स्वार्थ में उपयोग अंततः अधोगति का कारण बनता है।

संपादकीय

विकास की राजनीति पर जनता की मुहर

महाराष्ट्र के नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य की जनता स्थिरता, सुशासन और विकास को प्राथमिकता देती है। एनडीए विरोधी दलों द्वारा उठाए जा रहे कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को इन परिणामों से करारा झटका लगा है। 288 स्थानीय निकायों में हुए चुनावों में महायुति गठबंधन ने 207 अध्यक्ष पदों पर जीत दर्ज कर न केवल संख्यात्मक बढ़त हासिल की, बल्कि अपनी जमीनी पकड़ भी मजबूती से साबित की।

इन नतीजों में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी और अकेले 117 अध्यक्ष पदों पर कब्जा जमाया। इसके सहयोगी दलों शिवसेना (शिंदे गुट) ने 53 और एनसीपी (अजित पवार) ने 37 पद जीते। इसके विपरीत विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) महज 44 पदों पर सिमट गई। इनमें कांग्रेस को 28, शिवसेना (उद्धव गुट) को 9 और एनसीपी (शरद पवार) को केवल 7 पद मिले। यह अंतर बताता है कि जनता ने विपक्ष की बयानबाजी से अधिक भरोसा विकास के ठोस एजेंडे पर जताया है। इन नतीजों को 2024 के विधानसभा चुनावों की कड़ी के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां महायुति ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। निकाय चुनावों में भी उसी जनादेश की पुनरावृत्ति दिखाई दी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में चला सकारात्मक और मुद्दा-आधारित अभियान, लाड़ली बहिन योजना जैसी जनकल्याणकारी पहलें, तथा महिलाओं और किसानों के लिए किए गए कार्यों का असर जमीनी स्तर पर साफ नजर आया। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस जीत को 'ट्रेलर' करार देते हुए संकेत दिया कि आगामी नगर निगम चुनावों जिसमें बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) शामिल है में भी इसी प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे जनता के विकास-केंद्रित विजन पर भरोसे की पुष्टि बताया। भाजपा का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। पार्टी ने 2017 की तुलना में पार्षद सीटों की संख्या दोगुनी से अधिक करीब 3,325 कर ली और अध्यक्ष पदों में भी रिकॉर्ड कायम किया। यह दर्शाता है कि महायुति में भाजपा 'बड़े भाई' की भूमिका निभा रही है, साथ ही सहयोगी दलों के साथ समन्वय भी प्रभावी रहा। इसके उलट विपक्ष के लिए यह हार आत्ममंथन का संकेत है। एमवीए की एकजुटता और जमीनी सक्रियता पर सवाल खड़े हुए हैं। कुछ पारंपरिक गढ़ों में सीमित सफलता के बावजूद, समग्र तस्वीर में विपक्ष की पहुंच सिमटी हुई दिखी। यह विजय महायुति के लिए मनोबल बढ़ाने वाली है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। अब चुनौती इस जनादेश को स्थानीय स्तर पर बेहतर शासन, बुनियादी सुविधाओं, पारदर्शिता और जवाबदेही में बदलने की है। निकाय चुनाव लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करते हैं; यहां की सफलता राज्य की राजनीति को दीर्घकाल तक प्रभावित करती है। महाराष्ट्र की जनता ने साफ संदेश दिया है विकास और स्थिर सरकार ही भविष्य का रास्ता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

उपभोक्ता जागरूकता से समृद्ध समाज

योगेश कुमार गोयल

उपभोक्ताओं के अधिकारों और हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी देना तथा शोषण और धोखाधड़ी के विरुद्ध उन्हें सशक्त बनाना है। आज के समय में, जब ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से खरीदारी तेजी से बढ़ी है, उपभोक्ता जागरूकता का महत्व और भी बढ़ गया है। अक्सर देखा जाता है कि उपभोक्ताओं को खरीदे गए उत्पादों या सेवाओं में गुणवत्ता, मात्रा, कीमत अथवा सेवा में कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पहले ई-कॉमर्स से जुड़ी शिकायतों के लिए स्पष्ट कानूनी ढांचा नहीं था, लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-2019 के लागू होने के बाद ऑनलाइन खरीदारी को भी कानून के दायरे में लाया गया। यह अधिनियम 20 जुलाई 2020 से प्रभावी हुआ और इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को ठगी, भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाने के लिए कई सख्त प्रावधान किए गए। भारत में उपभोक्ता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1966 में मुंबई से मानी जाती है। इसके बाद 1974 में पुणे में ग्राहक पंचायत की स्थापना हुई, जिसने उपभोक्ता अधिकारों को संगठित स्वरूप दिया। उपभोक्ता हितों को कानूनी संरक्षण देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम 9 दिसंबर 1986 को उठाया गया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर उपभोक्ता संरक्षण विधेयक संसद में पारित हुआ। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद 24 दिसंबर 1986 को यह कानून लागू हुआ और तभी से इस दिन को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। उपभोक्ता संरक्षण कानून के अनुसार, वह प्रत्येक व्यक्ति उपभोक्ता है जिसने किसी वस्तु या सेवा के बदले भुगतान किया है या भुगतान करने का वचन दिया है। यदि उसे किसी भी प्रकार की कमी, दोष या नुकसान का सामना करना पड़ता है, तो वह उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कर सकता है और क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। यह कानून उपभोक्ताओं को छह प्रमुख अधिकार प्रदान करता है सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, विकल्प का अधिकार, सुने जाने का अधिकार, निवारण का अधिकार और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार। ये अधिकार उपभोक्ताओं को सशक्त बनाते हैं और बाजार में संतुलन स्थापित करने में सहायक होते हैं। हालांकि अधिकारों के साथ उपभोक्ताओं की जिम्मेदारियां भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। खरीदारी से पहले उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता की जांच करना, प्रमाणित ब्रांड्स को प्राथमिकता देना, रसीद अवश्य लेना और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर शिकायत दर्ज कराना उपभोक्ता का दायित्व है। दुर्भाग्यवश, बड़ी संख्या में लोग अपने अधिकारों के प्रति उदासीन रहते हैं। अशिक्षा के साथ-साथ जागरूकता की कमी भी इसका बड़ा कारण है। हैरानी की बात यह है कि शिक्षित वर्ग भी कई बार अपने उपभोक्ता अधिकारों का प्रयोग नहीं करता। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां बिना लंबी-चौड़ी कानूनी प्रक्रिया और भारी खर्च के शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। मामलों का निपटारा भी अपेक्षाकृत शीघ्र होता है। बीते वर्षों में अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां उपभोक्ता अदालतों ने आम नागरिकों को न्याय दिलाया है। एक समृद्ध और न्यायसंगत समाज की स्थापना के लिए उपभोक्ता जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

तीर्थंकरों की वाणी जीवन का कल्याण करने वाली है: आचार्य विनिश्चय सागर महाराज

अजमेर रोड स्थित डीसीएम कॉलोनी के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश, आचार्य संघ के दर्शनों के लिए धर्मसभा में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का 13 वर्षों बाद जयपुर की पावन धरा पर भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर डीसीएम कॉलोनी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री ससंघ के दर्शनों के लिए सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार को आचार्य श्री ससंघ ने नेमीसागर कॉलोनी स्थित दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार प्रारंभ किया और वैशाली नगर स्थित हुंडई क्रॉस लैंड शोरूम पर पहुंचे, जहां शलभ मेहता, सीए शुभम जैन, सीए सुमित केडिया, पूनम एवं समस्त स्टाफ द्वारा पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर जयकारों के साथ भव्य अगवानी की गई। इसके पश्चात आचार्य श्री ससंघ वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे, जहां मंदिर समिति ने पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर स्वागत किया। तत्पश्चात जुलूस डीसीएम कॉलोनी स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के लिए रवाना हुआ। मार्ग में अनेक श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन एवं आरती कर आचार्य श्री ससंघ का अभिनंदन किया। मंदिर पहुंचने पर मंदिर समिति, मुनि भक्त प्रमेश जैन परिवार एवं महिला मंडल द्वारा पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुनि भक्त विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि डीसीएम कॉलोनी के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि तीर्थंकरों की वाणी जीवन का कल्याण करने वाली है। तीर्थंकरों एवं आचार्यों द्वारा दी गई शिक्षाओं को यदि जीवन में उतार लिया जाए तो मानव जीवन सार्थक हो जाता है। उन्होंने हिंसा, चोरी, परिग्रह, कपट एवं बेईमानी जैसी बुरी प्रवृत्तियों से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर जनकपुरी इमली वाला फाटक, श्याम नगर, पार्श्वनाथ कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों के दिगम्बर जैन समाजों ने श्रीफल भेंट कर आचार्य श्री से अल्प प्रवास का निवेदन किया। धर्मसभा में राजस्थान जैन सभा, जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, मुनि भक्त प्रमेश जैन, सुरेंद्र जैन हल्देनिया, मनीष बगड़ा, अंकित बाकलीवाल, सीए शुभम जैन, अंकित सोनी, गजानंद काला, पुलकित लुहाड़िया, नितिन हल्देनिया, मुन्ना देवी वैद, संतोष बगड़ा सहित आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सायंकाल 6:15 बजे आचार्य श्री के सान्निध्य में नवकार डॉक्टर्स कॉलोनी, डीसीएम अजमेर रोड पर जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार मंगलवार, 23 दिसंबर को श्याम नगर आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 8:30 बजे धर्मसभा के दौरान आचार्य विनिश्चय सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। उन्होंने बताया कि श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का मंगल विहार दिल्ली एवं करनाल की ओर निर्धारित है। जयपुर महानगर में विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में अल्प प्रवास के पश्चात आचार्य श्री ससंघ राणा जी की नसिया, चूलगिरी, आगरा रोड, दौसा, सिकंदरा होते हुए दिल्ली मार्ग से करनाल के लिए मंगल विहार करेंगे।

विनोद जैन कोटखावदा: महामंत्री
आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति, जयपुर

सिद्ध परमेष्ठियों की भक्तिमय आराधना

सिद्ध चक्र महामंडल विधान में 256 अर्घ्य समर्पित

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

श्री 1008 सिद्ध क्षेत्र अहार जी में आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान के तृतीय दिवस सिद्ध परमेष्ठियों की भक्तिमय आराधना एवं पूजन भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन मुनिश्री श्रुतेश सागर महाराज एवं मुनिश्री शुश्रुति सागर महाराज के मंगल पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। विधानाचार्य ब्र. संजय भैया, ब्र. आहार, दीपक जी एवं पंडित कमल कुमार शास्त्री (लार) के कुशल निर्देशन में सोधर्म इन्द्र द्वारा श्रीजी को पांडुशीला पर विराजमान कर अभिषेक संपन्न कराया गया। इसके पश्चात विश्व-शांति की कामना से भगवान आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर मुनिश्री के मंत्रोच्चारण के साथ शांतिधारा की गई। इस महा सौभाग्य का लाभ अनुराग जैन एवं दिनेश जैन (बिलासपुर) को प्राप्त हुआ।

धर्मसभा में मुनिश्री का प्रेरक संदेश

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि सुंदरता, मधुर स्वर अथवा स्वस्थ शरीर पर कभी अभिमान नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह सब नाम कर्म के उदय से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा, ''यह शरीर हमें भगवान की भक्ति के परिणामस्वरूप मिला है। यदि हम अपने रूप, वाणी या शरीर का अभिमान करते हैं, तो दुर्गति के पात्र बनते हैं। सिद्ध परमेष्ठियों की आराधना मन, वचन और काया की एकता के साथ करनी चाहिए, जिससे मोक्ष मार्ग की ओर हमारे कदम अग्रसर हों।''

256 अर्घ्यों से सिद्धों की आराधना

सोमवार को क्षेत्र परिसर में आयोजित विधान के दौरान इन्द्र-इन्द्राणी समूह द्वारा गरबा नृत्य के साथ सिद्ध भगवान की भक्ति करते हुए मांडने पर 256 अर्घ्य समर्पित किए गए। इस अवसर पर हास्य, रति, शोक, भय एवं जुगुप्सा आदि भावों के भी अर्घ्य समर्पण किए गए।

संध्या आरती व भजन संध्या

सायंकाल पंच परमेष्ठी भगवान एवं सिद्ध चक्र विधान की भव्य आरती उतारी गई। युगल संगीतकार प्रवीण जैन एवं प्रियंका जैन द्वारा प्रस्तुत भक्तिमय भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महा आरती का परम सौभाग्य अरविंद्र जैन, संजय जैन एवं अक्षय जैन (बलदेवगढ़) परिवार को प्राप्त हुआ।

तम्बोला प्रतियोगिता के विजेता

आयोजन के अंतर्गत आयोजित तम्बोला प्रतियोगिता में
प्रथम स्थान: दीपक जी (हजारीबाग)
द्वितीय स्थान: गौरव जैन, यश जैन, प्रदीप जैन
तृतीय स्थान: आस्था जैन
विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विवेकपूर्वक किए गए कार्य ही फलदायी होते हैं

आचार्य विनीत सागर महाराज

कामवन। विवेकपूर्वक किए गए कार्य ही पुण्यार्जन का माध्यम होते हैं। यदि कार्य सही हो, किंतु उसमें विवेक का अभाव हो, तो उसके परिणाम विपरीत भी हो सकते हैं। उक्त विचार आचार्य विनीत सागर महाराज ने विजयमती त्यागी आश्रम में गुरु-भक्ति के दौरान व्यक्त किए। आचार्य श्री ने कहा कि विवेक की परिभाषा सामान्य भाषा में सहीझगलत का भान होना मानी जाती है, किंतु आध्यात्मिक दृष्टि से इसका अर्थ अत्यंत गूढ़ और महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बौद्धिक विवेक हमें ज्ञान और अनुभव के आधार पर सहीझगलत का निर्णय करने में सहायता करता है, जबकि आध्यात्मिक विवेक आध्यात्मिक ज्ञान और अनुभूति के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। आचार्य विनीत सागर महाराज ने कहा कि विवेकी व्यक्ति सदाचार से युक्त होता है, जबकि अविवेकी व्यक्ति में इस गुण का अभाव दिखाई दे सकता है। इसलिए जीवन के प्रत्येक कार्य में विवेक का समावेश अत्यावश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि शीतकालीन वास संघ सहित विजयमती त्यागी आश्रम में किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रतिदिन आहारचर्या, गुरु-भक्ति एवं प्रश्न-मंच जैसे आध्यात्मिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित हो रहे हैं।

जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन मेडिकल इक्विपमेंट बैंक को संगिनी भामाशाह एवं जेएसजी औरा का महत्वपूर्ण सहयोग

उदयपुर। जेएसजीआईएफ मेवाड़ रीजन द्वारा संचालित मेडिकल इक्विपमेंट बैंक के सेवा प्रकल्प को जेएसजी संगिनी (भामाशाह) एवं जेएसजी औरा समूह की ओर से जरूरतमंदों की सेवा हेतु महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए। इस सेवा कार्यक्रम में मेवाड़ रीजन चेयरमैन अरुण मांडोत, जेएसजीआईएफ उपाध्यक्ष आर.सी. मेहता, मेडिकल इक्विपमेंट बैंक चेयरमैन शांतिलाल मेहता, जोन कोऑर्डिनेटर एवं बैंक सदस्य सुनील गांग, बैंक सदस्य संतोष जैन एवं महेश बया विशेष रूप से उपस्थित रहे। संगिनी भामाशाह द्वारा प्रदत्त उपकरणजेएसजी संगिनी (भामाशाह) की ओर से फाउंडर प्रेसिडेंट श्रीमती मंजू गांग एवं प्रेसिडेंट श्रीमती अरुणा पटवा के नेतृत्व में निम्न चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए—हाईटेक कमोड चेयर – 2 कमोड व्हीलचेयर – 1 जेएसजी औरा का सहयोगवहीं जेएसजी औरा की ओर से फाउंडर प्रेसिडेंट श्रीमती स्वर्णिका जैन (बांठिया) के नेतृत्व में—हेवी ड्यूटी फोल्डिंग वॉकर – 6मेडिकल इक्विपमेंट बैंक को प्रदान किए गए। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का अरुण मांडोत, आर.सी. मेहता तथा मेडिकल इक्विपमेंट बैंक की पूरी टीम ने सेवा भावना की सराहना करते हुए हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार समाजसेवा के कार्यों में निरंतर सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की गई। यह सेवा कार्य "सेवा परमो धर्म" की भावना को साकार करता हुआ समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

नरसिंहपुरा प्रीमियर लीग (NPL) – सीजन 1 का भव्य आयोजन

उदयपुर। श्री दिगम्बर जैन नरसिंहपुरा नवयुवक मण्डल (बीस पंथ आमनाय) द्वारा रविवार, 21 दिसंबर 2025 को उदयपुर स्पोर्ट्स एरीना, आर.के. सर्किल, उदयपुर में "नरसिंहपुरा प्रीमियर लीग (NPL) – सीजन 1" क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।मण्डल अध्यक्ष आशीष मेहता एवं सचिव मयंक सिपरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में समाज के अनेक गणमान्यजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख अतिथियों में आत्मप्रकाश हिंसावत, प्रशांत की थाया, सुनील सिपरिया, पुष्पेन्द्र हिंसावत एवं कौशल मानोत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला लायन एवं एलीफेंट टीमों के मध्य खेला गया। रोमांचक मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एलीफेंट टीम ने विजय प्राप्त कर खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम का समापन खेल भावना, उत्साह, अनुशासन एवं आपसी भाईचारे के वातावरण में हुआ। आयोजन को प्रतिभागियों एवं दर्शकों से भरपूर सराहना प्राप्त हुई।

भगवान का नाम-स्मरण करने से मिटती है आत्मा की भूख: संत मुमुक्षु रामजी महाराज

अग्रवाल उत्सव भवन में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का दूसरा दिवस

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

कलिकाल में जीवन का कोई भरोसा नहीं है। जब जागे तभी सवेरा है, इसलिए जो अब तक प्रभु-भक्ति के मार्ग से नहीं जुड़े हैं, उन्हें तुरंत जुड़ जाना चाहिए। जीवन वही श्रेष्ठ है जो प्रभु के कार्य आए। शरीर का भोजन अन्न है, तो आत्मा का भोजन भजन है। आत्मा को पुष्ट करने के लिए भजन आवश्यक है और आत्मा की भूख भगवान के नाम-स्मरण से ही मिटती है। इसलिए प्रतिदिन भजन अवश्य करना चाहिए। ये विचार संत मुमुक्षु रामजी महाराज ने शहर के रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित अग्रवाल उत्सव भवन में पोरवाल परिवार की ओर से आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के दूसरे दिन व्यासपीठ से कथा-वाचन करते हुए व्यक्त किए। संत श्री सोजत रामद्वारा से पधारे हैं। कथा के दूसरे दिन नारद-व्यास संवाद, श्री शुकझपरीक्षित जन्म एवं भीष्म उपदेश प्रसंग का वाचन किया गया। कथा में रामस्नेही संत डॉ. रामस्वरूप शास्त्री का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। संत मुमुक्षु रामजी महाराज ने कहा कि सेवा सदैव परमार्थ भाव से करनी चाहिए। जिसके जीवन में परमार्थ आ जाता है, उसका स्वार्थ स्वतः सिद्ध हो जाता है। स्वार्थ भाव से किए गए कार्यों की स्थिति माया मिली न राम जैसी हो जाती है। उन्होंने कहा कि वही व्यक्ति प्रबल होता है जो निर्बल का सहयोग करता है। कलियुग में दान करने से जीव को शांति प्राप्त होती है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा अन्न हम खाते हैं, वैसा ही हमारा मन बनता है और जैसा जल हम पीते हैं, वैसी ही हमारी वाणी हो जाती है। इसलिए जीवन आचरण सदैव अपनी संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। गंगासागर तीर्थ का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा– सारे तीर्थ बार-बार, गंगासागर एक बार। तीर्थयात्रा से जीवन में पुण्य की प्राप्ति होती है और कष्ट दूर होते हैं। संत श्री ने कहा कि सर्वोत्तम भक्त वही होता है जिसे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। जो मांगते हैं, उन्हें कोई बुलाना नहीं चाहता और जो नहीं मांगते, उन्हें सभी बुलाना चाहते हैं। भीष्म पितामह और महात्मा विदुर ऐसे ही भक्त थे, जिन्होंने कभी प्रभु से कुछ नहीं मांगा। उन्होंने कहा कि सुख में तो सभी साथ होते हैं, लेकिन दुःख में केवल परमात्मा ही सच्चा साथी होता है।

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग पर छाया उल्लास

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के दूसरे दिन शिवझपार्वती विवाह प्रसंग आते ही वातावरण उल्लासपूर्ण हो गया। शिवझपार्वती की सजीव झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जैसे ही बारात सहित शिवझपार्वती मंच पर पहुंचे, जयकारों से पांडाल गूंज उठा और बाराती श्रद्धालु जमकर नृत्य करते नजर आए। कथा के दौरान सैकड़ों श्रद्धालु चार घंटे तक संगीतमय भक्तिरस में डूबे रहे। बीच-बीच में भजनों की ऐसी रसधारा प्रवाहित हुई कि श्रद्धालु स्वयं को झूमने से नहीं रोक पाए। कथा के दूसरे दिन के समापन पर व्यासपीठ की आरती समस्त पोरवाल परिवार के सदस्यों ने की। व्यासपीठ पर अतिथियों का स्वागत ओमप्रकाश पोरवाल, कंवरलाल पोरवाल, दिनेशचंद्र, सुनीलकुमार, अनिलकुमार, हरकलाल पोरवाल आदि ने किया। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा रहा है। कथा के तीसरे दिन मंगलवार, 23 दिसंबर को देवहूतिझ कपिल संवाद, जड़भरत, अजामिल एवं प्रह्लाद चरित्र प्रसंग का वाचन होगा।

रिलायंस ज्वैल्स लेकर आया प्रतिष्ठित ड्रीम डायमंड सेल, फ्री गोल्ड कॉइन ऑफर के साथ

मुंबई. शाबाश इंडिया

रिलायंस ज्वैल्स एक बार फिर अपनी बहुप्रतीक्षित और प्रतिष्ठित ड्रीम डायमंड सेल लेकर आया है। इस खास सेल के तहत उपभोक्ताओं को आकर्षक ऑफर्स के साथ इस फेस्टिव और न्यू ईयर सीजन को खास अंदाज में मनाने का अवसर मिलेगा। यह सेल 27 जनवरी 2026 तक चलेगी और ऐसे समय में आयोजित की जा रही है, जब लोग साल के अंत में उपहार खरीदने, त्योहारों की शॉपिंग करने या नए साल की यादगार शुरूआत करने की योजना बनाते हैं। इस वर्ष की ड्रीम डायमंड सेल का उद्देश्य हर किसी के लिए हीरे की खरीद को और अधिक सुलभ बनाना है—चाहे आप अपना पहला हीरा खरीदना चाहते हों, किसी खास अवसर का जश्न मनाना चाहते हों या लंबे समय से संजोई गई हीरे की खरीद की इच्छा को पूरा करना चाहते हों।

फ्री गोल्ड कॉइन का आकर्षक ऑफर

सेल के तहत उपभोक्ताओं को ₹25,000 या उससे अधिक मूल्य की डायमंड ज्वैलरी की हर खरीद पर 0.25 ग्राम का मुफ्त गोल्ड कॉइन प्रदान किया जाएगा। यह ऑफर हीरा और सोना—दोनों की खरीद को एक साथ संभव बनाते हुए इस सीजन की शॉपिंग को और भी खास बना देता है। इसके अतिरिक्त, सेल अवधि के दौरान ₹75,000 या उससे अधिक की गोल्ड ज्वैलरी की खरीद पर मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 20 प्रतिशत की छूट का लाभ भी उपभोक्ताओं को मिलेगा।

हर स्टाइल, हर अवसर के लिए ज्वैलरी

रिलायंस ज्वैल्स के स्टोर्स में उपभोक्ता रोजमर्रा के उपयोग की डायमंड ज्वैलरी जैसे ईयररिंग्स, रिंग्स और चेन के साथ-साथ स्टेटमेंट स्टाइल चोकर एवं भव्य ब्राइडल डिजाइनों की भी खरीदारी कर सकते हैं। यहां हर स्टाइल, हर अवसर और हर उम्र की पसंद के अनुरूप ज्वैलरी का विस्तृत कलेक्शन उपलब्ध है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

"रैगिंग विरोधी जागरूकता" विषय पर व्याख्यान आयोजित

उदयपुर। श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में आईक्यूएसी (IQAC) की रैगिंग सेल के तत्वावधान में "रैगिंग विरोधी जागरूकता" विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुगम महात्मा उपस्थित रहे।अपने व्याख्यान में अधिवक्ता सुगम महात्मा ने रैगिंग की गंभीरता को स्पष्ट करते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट में वर्ष 2001 में आए पहले महत्वपूर्ण मामले के बाद रैगिंग के विरुद्ध सख्त कानून बनाए गए। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने रैगिंग के मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है, क्योंकि रैगिंग एक अपराध है और संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उन्होंने रैगिंग के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रैगिंग से केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी गंभीर रूप से प्रभावित होता है। इससे एंग्जायटी, आत्मविश्वास में कमी, कार्यक्षमता में गिरावट, शिक्षा बीच में छोड़ देना, अवसाद (डिप्रेशन) जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल का स्टेच्यू ऑफ यूनिटी टूर सफलतापूर्वक संपन्न

जय जिनेंद्र। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल द्वारा दिनांक 18 दिसंबर से 21 दिसंबर 2025 तक आयोजित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी टूर मुख्य समन्वयक श्री सुभाष जी शकुंतला जी पांड्या एवं अध्यक्ष राजकुमार काला तथा उनकी टीम के कुशल नेतृत्व में अत्यंत सफलतापूर्वक, सानंद एवं सकुशल संपन्न हुआ।चार दिवसीय इस यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने विश्व की सबसे ऊँची 182 मीटर ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के भव्य दर्शन किए, जो भारत के महान राष्ट्रनायक सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। इसके साथ ही लेज़र शो के माध्यम से देश की एकता और लौह पुरुष सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को सजीव रूप में अनुभव किया गया।यात्रा के अन्य प्रमुख आकर्षणों में नर्मदा नदी क्रूज़, ग्लो गार्डन, जंगल सफारी, कैक्टस गार्डन एवं बटरफ्लाई गार्डन शामिल रहे, जिन्होंने इस यात्रा को अत्यंत स्मरणीय बना दिया।एकता नगर क्षेत्र में उत्कृष्ट साफ-सफाई, सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था एवं अनुशासन को देखकर सभी सदस्यों ने इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों के समकक्ष बताया। नरेंद्र मोदी द्वारा केवड़िया क्षेत्र को एकता नगर के रूप में विकसित करना वास्तव में सराहनीय एवं प्रेरणादायक कार्य है।इस दौरान सभी सदस्यों ने नीलकंठ धाम के भव्य दर्शनों का भी लाभ लिया। इस सफल आयोजन में कार्यक्रम समिति का विशेष योगदान रहा—मुख्य समन्वयकःश्री सुभाष जी शकुंतला जी पांड्यासमन्वयकःश्री नरेश आशा जी रावका, श्री नवीन नलिनी जी जैनसंयोजकःश्री लोकेश निधि जी पांड्या, श्री विनोद सुधा जी जैन, श्री सतीश मंजू जी कासलीवालसह-संयोजकःश्री मुकुल मीना जी बडजात्या, श्री नीरज सोनिया जी जैन,श्री पवन रीटा जी पाटनी, श्री अजय बबीता जी गंगवाल,श्री पंकज रक्षा जी अजमेरा, श्री नगेंद्र रश्मि जी जैनइसके अतिरिक्त श्री वीरेंद्र जी एवं श्रीमती सुनीता जी काला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। **-राजकुमार कालाः अध्यक्ष**

बैटलडोर प्रीमियर लीग सीजन-3: खेल और जुनून का संगम

स्थान : बैटलडोर बैडमिंटन अकादमी, कुंभा मार्ग, सांगानेर, जयपुर

खेलों का असली आनंद तब आता है, जब युवा खिलाड़ियों का जोश, प्रतियोगिता की चुनौती और स्वस्थ खेल भावना का सुंदर संगम देखने को मिले। इसी उत्साहपूर्ण माहौल के साथ बैटलडोर प्रीमियर लीग सीजन-3 का भव्य आयोजन बैटलडोर बैडमिंटन अकादमी में किया गया। इस टूर्नामेंट ने न केवल खिलाड़ियों के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर किया, बल्कि खेल प्रेमियों के लिए भी यह आयोजन यादगार बन गया। **उद्घाटन समारोहः** टूर्नामेंट का शुभारंभ डॉ. सौम्या गुर्जर (मेयर, नगर निगम ग्रेटर जयपुर) एवं पार्षद एम. के. शर्मा के कर-कमलों से हुआ। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डाला।

टीमें और खिलाड़ियों की सहभागिता

बैटलडोर प्रीमियर लीग सीजन-3 में कुल 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें 56 खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया। प्रत्येक टीम ने शानदार रणनीति, आपसी तालमेल और उच्च स्तरीय खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। यह प्रतियोगिता खेल भावना, अनुशासन और युवाओं की ऊर्जा का सशक्त उदाहरण बनी, जिसने बैडमिंटन प्रेमियों के बीच खास पहचान बनाई।

पद्मप्रभु भगवान की जन्मभूमि प्रभासगिरि, कौशांबी पहुंचे यात्री

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। 18 तीर्थंकरों की जन्मभूमि तीर्थ यात्रा संघ, भीलवाड़ा के यात्रियों का दल यात्रा करते हुए मथुरा पहुँचा। प्रचार संयोजक प्रकाश पाटनी ने बताया कि 17 तीर्थंकरों की जन्मभूमियों की यात्रा करते हुए दल प्रयागराज के मार्ग से जयकारों के साथ श्री कौशांबी दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र स्थित प्रभासगिरि पहुँचा, जो श्री पद्मप्रभु भगवान की जन्मभूमि है। यहाँ सभी यात्रियों ने विधिवत दर्शन कर अर्घ्य समर्पित किए तथा अन्य प्रतिमाओं के भी दर्शन का लाभ लिया। भक्ति-भाव से यात्रियों ने भजन-कीर्तन करते हुए नृत्य किया और वातावरण भक्तिमय हो उठा। संयोजक लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि वर्ष 2017 में यमुना नदी में रेत की खुदाई के दौरान एक भव्य पाषाण प्रतिमा पार्श्वनाथ भगवान की प्राप्त हुई थी। यात्रियों ने इसके भी दर्शन किए। प्रभासगिरि स्थित सभी मंदिरों के दर्शन करते हुए यात्रियों ने लगभग 300 सीढ़ियाँ चढ़कर दो मंदिरों तथा पद्मप्रभु भगवान की पगलियों के दर्शन किए। संयोजक राजेंद्र सोगानी ने जानकारी दी कि दल शाम को मथुरा पहुँचेगा, जहाँ रात्रि विश्राम के पश्चात 24 दिसंबर को महावीरजी अतिशय क्षेत्र के लिए प्रस्थान करेगा।

अपना घर के पुनः क्षेत्रीय अध्यक्ष बने संजय जैन बड़जात्या

भरतपुर. शाबाश इंडिया

मां माधुरी ब्रजवारिस सेवा सदन अपना घर संस्था, भरतपुर द्वारा कामां निवासी संजय जैन बड़जात्या को एक बार पुनः क्षेत्रीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। अपनाघर सेवा समितियों की नई सूची जारी करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कुसुमलता अग्रवाल एवं राष्ट्रीय सचिव महेश बंसल ने बड़जात्या के मनोनयन की घोषणा की। अपना घर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय जैन बड़जात्या को डीग जिले की कामवन, डीग, जनुथर एवं नगर क्षेत्र की पुरुष इकाइयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पुनः मनोनयन पर अपनाघर सेवा समिति के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक योग्य एवं उपयुक्त व्यक्तित्व का चयन है। इस अवसर पर अपनाघर सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद पुजारी, सचिव सुरेश सोनी, हरि कुम्हेरिया, जायन्ट्स ग्रुप के अध्यक्ष खेमराज खंडेलवाल, हरप्रसाद नाटाणी, सुनील तमोलिया, प्रेमचंद शर्मा, मनोज गोयल, डॉ. संजय शर्मा, उमाशंकर शर्मा, गोविंद खंडेलवाल, महेंद्र अरोड़ा सहित सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने कहा कि अपनाघर भरतपुर ने एक मजबूत स्तंभ का चयन किया है। संजय जैन बड़जात्या विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और उनके अनुभव से संस्था के सेवा कार्यों को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर में वीरता के लिए वीर चक्र विजेता श्री अनिमेष जैन पाटनी का सम्मान

अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन अनिमेष जैन पाटनी के अदम्य साहस, शौर्य एवं वीरता के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया जा रहा है।इस अवसर पर नवकार ग्रुप की ओर से भट्टारक जी की नसिया, तोतूका भवन में श्री अनिमेष जैन पाटनी का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, सुरेश जैन (बांदीकुई), विजय कुमार पांड्या, श्रीमती शशी सेन जैन, चंद्रकांता छाबड़ा एवं स्नेहलता पांड्या द्वारा साफा, दुपट्टा, माल्यार्पण एवं स्मृति-उपहार भेंट कर सम्मान किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने श्री पाटनी के राष्ट्रसेवा में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एमपीएस प्राइमरी विंग का 17वां वार्षिकोत्सव संपन्न

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण, प्रतिभावान विद्यार्थी हुए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रताप नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के प्राइमरी विंग का 17वां वार्षिकोत्सव ''सपनों का अनंत आकाश'' विद्यालय के रूद्राक्ष सभागार में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने नाट्य मंचन के माध्यम से बचपन को संवारने एवं व्यक्तित्व निर्माण का प्रेरक संदेश दिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। समारोह के दौरान प्राथमिक कक्षाओं के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी जय किशन जाजू तथा विशिष्ट अतिथि जयपुर अस्पताल के सलाहकार सर्जन डॉ. विनोद बाहेती रहे। समारोह में दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष (शिक्षा) निर्मल दरगड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय के मानद सचिव सीए शरद काबरा ने एनईपी-2020 के अनुरूप विद्यालय में किए जा रहे शैक्षणिक नवाचारों तथा आगामी वर्षों के लक्ष्यों की जानकारी साझा की। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक बैद ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में ईसीएमएस के अध्यक्ष उमेश सोनी, महासचिव (शिक्षा) कमल सोमानी, महामंत्री (समाज) सीए रोहित परवाल, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार मालू, विद्यालय भवन मंत्री अशोक अजमेरा सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जी-22 ग्रुप एवं शास्त्री नगर जैन समाज द्वारा 26वां रक्तदान शिविर आयोजित

133 यूनिट रक्त एकत्रित, समाजसेवियों ने किया उत्साहवर्धन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जी-22 ग्रुप, शास्त्री नगर जैन समाज के तत्वावधान में 26वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर राजश्री स्कूल, शास्त्री नगर में आयोजित किया गया। शिविर संयोजक डॉ. विपिन जैन एवं मनोज जैन ने बताया कि स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक एवं दुर्लभ जी ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 133 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी एवं उद्योगपति कमल कुमार जैन, श्री नेमिचंद छाबड़ा एवं श्री निर्मल कटारिया ने की। इस अवसर पर पार्षद मनोज मुद्गल, ओ.पी. मोदी, अनीष निगम एवं डॉ. रामप्रसाद भड़िया ने शिविर का अवलोकन किया तथा जी-22 परिवार द्वारा किए जा रहे इस पुनीत सेवा कार्य की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। अतिथियों ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और इस प्रकार के शिविर समाज में सेवा, सहयोग एवं संवेदनशीलता की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

आडंबर और शोषण की नींव पर टिका जैन धर्म

हँसते-हँसते सच कहने की एक लंबी कथा

आज के दौर में जैन धर्म को पहचानना हो, तो पहले यह पूछना पड़ता है– यह प्रवचन है या उद्घाटन समारोह। धर्म वही पुराना है, पर उसकी पैकेजिंग नई और चमकदार हो चुकी है। साधना अब मन के भीतर नहीं, पंडाल के बाहर दिखाई देती है। जैसे ही कोई साधुझसाध्वी नगर में प्रवेश करते हैं, वातावरण ऐसा बन जाता है मानो किसी फिल्म स्टार का प्रीमियर हो–फूल, बैनर, स्वागत समितियाँ, उप-समितियाँ, उप-उप-समितियाँ। लगता है मोक्ष नहीं, मेजबानी का विश्व रिकॉर्ड बनने वाला है। यदि भगवान महावीर आज आते, तो शायद पूछते–''भाई, मैं तो पैदल आया था, यहाँ इतनी गाड़ियाँ क्यों खड़ी हैं?'' दान की आधुनिक व्यवस्था तो और भी रोचक हो गई है। पहले दान गुप्त होता था, अब घोषणा-पत्र के साथ होता है। मंच से नाम पुकारा जाता है, ताकि पुण्य के साथ-साथ पहचान भी मिल जाए। अपरिग्रह पर प्रवचन चल रहा होता है और नीचे सूची बन रही होती है–किसने कितना दिया, किसे कहाँ बैठाना है। जितना बड़ा दान, उतनी बड़ी कुर्सी; और बहुत बड़ा दान हो तो कुर्सी के साथ फोटो भी निःशुल्क। भक्ति अब मन का भाव नहीं, सामाजिक स्टेटस बन गई है–आजकल पुण्य भी तभी उपयोगी माना जाता है, जब वह समाज में दिखाई दे। प्रवचन में मौन की महिमा बताई जाती है, लेकिन माइक ऐसी दहाड़ लगाता है कि मौन डर के मारे भाग जाए। अहिंसा पर उपदेश के बीच पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने को लेकर हिंसक बहस चल रही होती है। संयम की बात करते हुए मोबाइल कैमरे हर दिशा में घूमते रहते हैं–क्योंकि प्रवचन सुना जाए या रिकॉर्ड किया जाए, यह निर्णय अभी लंबित है। धर्म का उद्देश्य आत्मा को हल्का करना था, पर हमने उसे कार्यक्रमों के बोझ तले दबा दिया है। सवाल पूछने वालों के लिए यहाँ विशेष सुविधा है–उन्हें चुप करा दिया जाता है। प्रश्न पूछना अशोभनीय माना जाता है, और हर अशोभनीय चीज को धर्म के नाम पर तुरंत बाहर कर दिया जाता है। जो जितना कम पूछे, उतना बड़ा भक्त; और जो बिल्कुल न पूछे, वही आदर्श श्रावक। व्यवस्था बड़ी दयालु है–आप भावना लाइए, हिसाब हम रखेंगे; आप श्रद्धा रखिए, निर्णय हम लेंगे। सबसे मजेदार दृश्य तब बनता है, जब अपरिग्रह, त्याग और सरलता पर लंबे प्रवचन के बाद भव्य भोज का आयोजन होता है। त्याग का स्वाद इतना लजीज कि जीभ खुद कह उठे–आज तो त्याग करना पाप है। साधारण भोजन का संदेश प्लेटों की भीड़ में खो जाता है और संयम का उपदेश डेजर्ट के साथ निगल लिया जाता है। व्यंग्य यह नहीं कि जैन धर्म खो गया है; व्यंग्य यह है कि हमने उसे ढूँढने की कोशिश ही बंद कर दी है। धर्म का रास्ता भीतर जाता है, पर हम उसे बाहर की सजावट में खोज रहे हैं। समाधान भी उतना ही सीधा है–आडंबर घटाइए, आत्मा बढ़ाइए; मंच कम कीजिए, मन साफ कीजिए; दान में विवेक लाइए, भक्ति में सादगी लाइए। नहीं तो कहीं ऐसा न हो कि हम पूरे जीवन धर्म का आयोजन करते रहें और अंत में पता चले कि धर्म तो भीतर आया ही नहीं था।

नितिन जैन
संयोजकः जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्षः अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल

निवाई में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ

400 इंद्र-इंद्राणियों ने प्रथम बार भक्ति नृत्य के साथ की पूजा-अर्चना

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान का ध्वजारोहण के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। ध्वजारोहण की पुण्यार्जक क्रिया श्रेष्ठी सन्मति कुमार, सुकुमार, महिपाल, मोहित एवं छोटू जैन चवरिया परिवार द्वारा मंत्रोच्चार के साथ संपन्न की गई। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला, सुनील भाणजा एवं राकेश संघी ने बताया कि सोमवार 22 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस महामंडल विधान के उपलक्ष्य में श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से विशाल रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा में सबसे आगे ऐरावत हाथी पर सौधर्म इंद्र परिवार विराजमान था। उनके पीछे महिलाएं मंगल कलश लेकर भक्ति नृत्य करती हुई चल रही थीं। बैंड-बाजे की मधुर धुनों के साथ रथयात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी। रथयात्रा में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ भी सम्मिलित रहे। युवा मंडल के सदस्य जयकारों के साथ भक्ति नृत्य करते हुए चलते रहे। अंत में पीली काठ के रथ पर भगवान पार्श्वनाथ भगवान विराजमान थे। रथ के सारथी बनने का सौभाग्य सन्मति कुमार जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका चेयरमैन दिलीप ईसरानी, राजेश डोली चौधरी एवं पार्षद नितिन-सपना छाबड़ा ने कलश यात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। प्रवक्ताओं ने बताया कि संत निवास पर पंडित मुकेश शास्त्री (विनम्र) एवं पंडित मनोज कुमार जैन द्वारा आचार्य श्री के सान्निध्य में मंत्रोच्चार के साथ ध्वजारोहण संपन्न कराया गया। इसके पश्चात सौधर्म इंद्र परिवार–सन्मति-कमलेश देवी, सुकुमार-नीलम, महिपाल-शालू, मोहित-आयुषी जैन चवरिया–द्वारा भगवान पार्श्वनाथ की शांतिधारा के साथ कलशाभिषेक किया गया। संगीतकार केशव एंड पार्टी के भजनों पर रुत्वी, निरूपन, रिद्धवी, जिनाश, धैर्याश जैन चवरिया, सुशील गिंदोडी, सुनील गिंदोडी एवं मनोज पाटनी ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद आचार्य वर्धमान सागर महाराज की आहारचर्या मुनि भक्त गोपाललाल-शंभु जैन कठमाणा के यहां निर्विघ्न संपन्न हुई। सोमवार को विद्वानों द्वारा सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, आचार्य निमंत्रण, भूमि शुद्धि, मंडप शुद्धि सहित श्रीजी का सामूहिक कलशाभिषेक संपन्न हुआ। इस दौरान सभी 400 इंद्र-इंद्राणियों ने मंडल जी पर 24 श्रीफल अर्घ्य अर्पित किए। कार्यक्रम में विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका चेयरमैन दिलीप ईसरानी, उपाध्यक्ष जितेंद्र चंवरिया, पार्षद राजेश डोली चौधरी, नितिन-सपना छाबड़ा, पवन सांवलिया, जैन समाज अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल, मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, हुकमचंद जैन, विष्णु बोहरा, विमल पाटनी, राजेंद्र बगड़ी, महावीर प्रसाद पहाड़ी, नेमीचंद सिरस, हेमचंद संधी, विनोद जैन, विमल गिंदोडी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल आई चैरिटेबल हॉस्पिटल, अजमेर में हेल्थ अवेयरनेस सेशन एवं मासिक जनरल मीटिंग सम्पन्न

अजमेर (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

मंगलवार प्रातः महावीर इंटरनेशनल आई चैरिटेबल हॉस्पिटल में महावीर इंटरनेशनल अजमेर की मासिक जनरल मीटिंग के साथ एक हेल्थ अवेयरनेस एवं इंटरएक्टिव मेडिकल सेशन का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सीनियर सिटीजन ग्रुप, अजमेर द्वारा महावीर इंटरनेशनल अजमेर के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों–वीर पदमचंद जैन, अशोक गोयल, वीरा इंदु जैन, वीर एन. के. रांका, बाबूलाल जैन, प्रेम कुमार जैन, प्रभात सेठी, मनोहर गोपाल ईनाणी, कमल गंगवाल, वीरा मोनिका लोढ़ा, विजय पांड्या सहित अन्य सदस्यों–का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। इसके उपरांत महावीर इंटरनेशनल अजमेर द्वारा सीनियर सिटीजन ग्रुप के सदस्यों का माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया। मासिक बैठक के प्रारंभ में चेयरमैन डॉ. मनोज यादव ने अजमेर केंद्र की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने आगामी 4 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाली जोन कॉन्फ्रेंस, नेत्र जांच सेवाओं के शीघ्र शुभारंभ, फिजियोथैरेपी सेंटर तथा भवन निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर जोन चेयरमैन बाबूलाल जैन एवं मीडिया प्रभारी कमल गंगवाल ने भी सदस्यों को आवश्यक जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल से पधारे विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. तरुण दोसाड़ (ऑर्थोपेडिक्स एवं स्पाइन सर्जरी), डॉ. अंशुल कुलश्रेष्ठ (न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी) तथा संजय अग्रवाल (सेल्स एंड मार्केटिंग) का माल्यार्पण एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात आयोजित विशेष इंटरएक्टिव सेशन में डॉ. तरुण दोसाड़ एवं डॉ. अंशुल कुलश्रेष्ठ ने स्पाइन से संबंधित रोगों, उनके कारणों, रोकथाम तथा आधुनिक उपचार पद्धतियों पर विस्तृत जानकारी दी और उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का सरल एवं व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन पर चेयरमैन डॉ. मनोज यादव ने उपस्थित सभी सदस्यों एवं फोर्टिस हॉस्पिटल से आए चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ सभा का विधिवत समापन हुआ, जिसके पश्चात उपस्थित 135 सदस्यों को स्नेह भोज (लंच) हेतु आमंत्रित किया गया।

शहर के वार्ड-9 स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर में सात दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। शहर के वार्ड नंबर 9 में स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर परिसर में सात दिवसीय श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। कथा के दौरान भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, भक्ति, त्याग एवं धर्म से जुड़ी प्रेरणादायी लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया जाएगा। कथा आयोजन के प्रथम दिन मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं कलश स्थापना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन कथा वाचन के साथ-साथ भजन-कीर्तन, आरती तथा प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के प्रवक्ता ने बताया कि श्री राम कथा के माध्यम से समाज में धर्म, संस्कार और आपसी भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर समिति, वार्डवासी एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं। आयोजकों ने धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कथा में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

करुणानिधि सेवा समिति के नेत्र शिविर में 150 मरीजों की जांच

80 ऑपरेशन के लिए चिन्हित

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

करुणानिधि सेवा समिति द्वारा मंगलवार को रोटरी भवन अशोकनगर में श्री सदगुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 150 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 80 नेत्र रोगियों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। चिन्हित रोगियों को भोजन कराने के पश्चात ऑपरेशन हेतु श्री सदगुरु नेत्र चिकित्सालय, आनंदपुर (तहसील लटेरी, जिला विदिशा) भेजा गया। इस नेत्र शिविर के आयोजन में रोटरी क्लब अशोकनगर का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान करुणानिधि सेवा समिति के अध्यक्ष माधो सिंह रघुवंशी करैया, कोषाध्यक्ष पारस चंद जैन, प्रदीप शर्मा, रोटरी क्लब अशोकनगर के अध्यक्ष अजीत जैन, वरिष्ठ रोटेरियन रोशन कोहली, सुधीर गुप्ता सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के शिविर समाज के जरूरतमंद वर्ग को दृष्टि प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ईशा अंबानी ने रिलायंस फाउंडेशन के "ईएसए" डे पर बच्चों के साथ मनाया खुशियों का उत्सव

मुंबई. शाबाश इंडिया। रिलायंस फाउंडेशन के एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल (ईएसए) कार्यक्रम के अंतर्गत मुंबई के 680 से अधिक बच्चों ने हैमलीज वंडरलैंड में एक यादगार दिन बिताया। इस अवसर पर रिलायंस फाउंडेशन की निदेशक ईशा अंबानी बच्चों के साथ शामिल हुईं और उनका उत्साहवर्धन किया। ईशा अंबानी ने खेल-खेल में सीखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि रिलायंस फाउंडेशन पिछले 15 वर्षों से बच्चों की कल्पनाओं को उड़ान देने और उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जियो वर्ल्ड गार्डन में आयोजित इस कार्निवल में बच्चों ने जाइंट व्हील और डिनो वर्ल्ड जैसे आकर्षक झूलों का भरपूर आनंद लिया। इस वर्ष का प्रमुख आकर्षण ''लाइट एटेलियर'' रहा, जिसे नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र तथा कतर के दादू संग्रहालय के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। इस अनुभवात्मक प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने प्रकाश, रंग और छाया के विज्ञान को व्यावहारिक रूप से समझा। नीता अंबानी के नेतृत्व में रिलायंस फाउंडेशन अब तक देशभर में 8.8 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर चुका है। यह आयोजन रिलायंस की 'वी केयर' सोच को साकार करता हुआ बच्चों में सीखने की ललक और बड़े सपने देखने का साहस जगाने वाला सिद्ध हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के वीर चक्र विजेता ग्रुप कैप्टन अनिमेष जैन पाटनी का जयपुर में भव्य सम्मान 'एक शाम देशभक्ति के नाम' कार्यक्रम में गूंजे देशभक्ति के तराने

जयपुर। जयपुर निवासी भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन एवं ऑपरेशन सिंदूर में अदम्य साहस का परिचय देने वाले अनिमेष जैन पाटनी के सम्मान में भट्टारक जी की नसिया, तोतूका भवन में भव्य देशभक्ति कार्यक्रम 'एक शाम देशभक्ति के नाम' आयोजित किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि भट्टारक जी की नसिया स्थित जैन मंदिर में देव-दर्शन एवं आरती के पश्चात् सैकड़ों देशभक्त ढोल-नगाड़ों के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे। ग्रुप कैप्टन पाटनी की आरती कर मुख्य द्वार पर स्वागत किया गया और ससम्मान तोतूका भवन में प्रवेश कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' से हुआ। आशिका एवं निष्ठा जैन ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। भगवान महावीर स्वामी एवं आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत आरंभ किया गया। कार्यक्रम में जानवी सेठी व सानवी तोतूका की भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति तथा डॉ. अनंत व मोनिका कोटिया सहित चिकित्सकों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों ने माहौल को ओजस्वी बनाया। इस दौरान समाचार सार चैनल द्वारा प्रेरणादायी डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई तथा ग्रुप कैप्टन पाटनी के जीवन एवं राष्ट्रसेवा पर आधारित विशेष फिल्म का प्रदर्शन हुआ, जिसे दर्शकों ने सराहना के साथ देखा। कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं ने ग्रुप कैप्टन पाटनी का अभिनंदन किया। दिगंबर जैन महासमिति, राजस्थान जैन सभा, राजस्थान जैन युवा महासभा, सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार, भारतीय जैन युवा परिषद, श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर सहित अनेक संस्थाओं व परिवारों ने माल्यार्पण, प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रदान किए। तोतूका परिवार द्वारा अनिला पाटनी एवं अनिमेष जैन पाटनी को विशेष प्रशस्ति भेंट की गई। समारोह में Avi Raag Band International की देशभक्ति संगीत प्रस्तुति आकर्षण रही। मंच संचालन आशिका व निष्ठा जैन ने किया। अंत में वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजकों ने इसे शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति के प्रति सामूहिक कृतज्ञता का प्रतीक बताया। **-विनोद जैन कोटखावदा**

निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 125 रोगी हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा (रोहित जैन). शाबाश इंडिया। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति द्वारा माह के चतुर्थ मंगलवार को 23 दिसंबर 2025 को संस्था परिसर में निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर का आयोजन किया गया। संस्था मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेखा ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में कुल 125 मरीजों का उपचार किया गया, जिनमें 15 नए मरीज शामिल थे। सभी को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। शिविर के लाभार्थी श्री जैन स्थानकवासी श्रावक संघ मसूदा एवं श्री स्वाध्याय महिला मंडल मसूदा रहे। अनिल चौधरी ने मिर्गी रोग से बचाव एवं योग के महत्व पर जानकारी दी। पारस बाबेल ने स्वागत तथा कोषाध्यक्ष राजेंद्र चोरड़िया ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री संघ मसूदा द्वारा ₹41,000 का फुल कैंप, शांतिलाल बांठिया (बालोतरा) द्वारा एक माह का भोजन एवं राजेंद्र बबानी परिवार (मंदसौर/अफ्रीका) द्वारा दो फुल कैंप लगाने की घोषणा की गई। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।

शुद्ध भावों से परमात्मा की भक्ति जीवन के सारे दुःख दूर कर देती हैः संत मुमुक्षु रामजी महाराज

अग्रवाल उत्सव भवन में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का तीसरा दिवस

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। सत्संग जीवन को संवार देता है, जबकि कुसंगति जीवन को बिगाड़ देती है। सत्संग हमारे भीतर के क्रोध को शांत कर आत्मज्ञान की ओर ले जाता है और जीवन के सभी ताप हर लेता है। शुद्ध भावों से परमात्मा की भक्ति करने पर जीवन आनंदमय बन जाता है—यह विचार सोजत रामद्वारा के रामस्नेही संत संत मुमुक्षु रामजी महाराज ने शहर के रोडवेज बस स्टैंड के पास स्थित अग्रवाल उत्सव भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के तीसरे दिन व्यासपीठ से व्यक्त किए। तीसरे दिन देवहूति-कपिल संवाद, जड़भरत, अजामिल एवं प्रह्लाद चरित्र का भावपूर्ण वाचन हुआ। कथा में रामस्नेही संत डॉ. रामस्वरूप शास्त्री का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। संत श्री ने कहा कि जो भगवान का नाम-स्मरण करता है, वह भवसागर से पार हो जाता है, जबकि नाम को भूलने वाला जन्मझमरण के चक्र में फंसा रहता है। सच्ची भक्ति से भगवान अपने भक्त की रक्षा अवश्य करते हैं—प्रह्लाद चरित्र इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। प्रह्लाद की रक्षा हेतु भगवान नृसिंह अवतार द्वारा हिरण्यकश्यप वध का प्रसंग सुनाते हुए भक्ति की महिमा बताई गई। इस अवसर पर भगवान नृसिंह एवं भक्त प्रह्लाद की सजीव झांकी भी सजाई गई। कथा के दौरान जाग मुसाफिर जाग, रामजी को नाम म्हाने मीठो धनो लागे जैसे भजनों पर श्रद्धालु भक्तिरस में डूबे रहे। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक हो रहा है। चौथे दिन 24 दिसंबर को श्रीराम चरित्र एवं श्रीकृष्ण जन्मझनंदोत्सव प्रसंग का वाचन तथा सायं 7:30 बजे रासलीला का आयोजन होगा।

सेंट जोन्स सीनियर सेकेंडरी विद्यालय का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नसीराबाद (रोहित जैन)। स्थानीय सेंट जोन्स सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में मंगलवार को विद्यालय का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम संस्था प्रधान एवं प्रधानाचार्या का अध्यापकों तथा छात्र-छात्राओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने ईश्वर वंदना के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत की। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रमों में ईश्वर को धन्यवाद, पल ये जरा थम जाए, ए ढोल डमरु डमरु रे, मसीहा आया है, मेरी मेरी क्रिसमस, चमका सितारा, स्माइल ऑन फेस (अंग्रेजी गीत), वी विल रॉक यू (वेस्टर्न डांस), मारो प्यारो राजस्थान, जोशीला डांस, नगाड़े संग ढोल बाजे (गुजराती नृत्य), विभिन्न राज्यों पर आधारित नृत्य, राजस्थानी लोकनृत्य, जोगड़िया नृत्य, भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर आधारित नृत्य, मराठी लावणी नृत्य, साउथ इंडियन डांस, कश्मीर से कन्याकुमारी तथा नेटिविटी सीन की आकर्षक प्रस्तुति शामिल रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सीनियर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी घूमर नृत्य विशेष रूप से सराहनीय रहा। मध्यांतर में सांता क्लॉज द्वारा बच्चों को केक, बिस्किट एवं वेफर्स भेंट किए गए, जिन्हें पाकर बच्चे अत्यंत प्रसन्न हुए। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या सीमा बेपटिस्ट ने सभी विद्यार्थियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं एवं नववर्ष की बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।